रोटरी डिस्ट्रिक्ट बूंदी के कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष का भाषण

रोटरी क्लब बूंदी के नव निर्मित भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में आकर आज अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।बूंदी ज़िले के सभी प्रतिष्ठित लोग, यहाँ के व्यवसायी-व्यापारी इस कार्यक्रम में उपस्थित हैं।बूंदी में व्यापार के साथ ही सेवा कार्यों के लिए भी आप सब लोग जाने जाते हैं।

कुछ वर्षों पहले ही रोटरी क्लब ने यहाँ मुक्तिधाम का निर्माण किया था।पल्स पोलियो अभियान में सहयोग देकर देश से पोलियो उन्मूलन में, स्वच्छता मिशन में, जागरूकता के कई कार्यों में रोटरी क्लूब का योगदान प्रमुख रहा है।कोरोना के समय भी रोटरी क्लब बूंदी के सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई थी।पिछले कई वर्षों से रोटरी क्लब बूंदी की तरफ से इस नए भवन की मांग थी। मुझे विश्वास है कि आज इस भवन के लोकार्पण से अब आपके सेवा कार्यों में और अधिक बढ़ोतरी होगी।

रोटरी इंटरनेशनल के वैश्विक नेटवर्क से आज लगभग 1.4 मिलियन लोग दुनियाभर में जुड़े हुए हैं। हमारे देश में रोटरी संस्थान अपने करीब 1959 क्लबों के माध्यम से लगभग 300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम कर रहा है।

1990 में अपनी स्थापना की शुरूआत से ही रोटरी क्लब बूंदी ने इस क्षेत्र के लोगों में जागरूकता लाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

व्यवसायियों और विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर लोगों के इस स्वैच्छिक संगठन का मिशन मानवता की सेवा और उच्च नैतिक आदर्शों के साथ दुनिया में एकता, सद्भावना तथा शांति को प्रोत्साहित करना रहा है।

मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी भी रोटरी सदस्य थे।

रोटरी क्लब संस्था हमारे समाज के ऐसे पेशेवर लोगों से मिलकर बनी है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। इसी के साथ जो लोग सामूहिकता में विश्वास करते हैं, जो एकजुटता में भरोसा करते हैं, जो जनकल्याण में यकीन रखते हैं।

बूंदी के प्रतिष्ठित लोग, व्यापारी और प्रोफेशनल लोग निरंतर समाज के कल्याण में कार्य करते रहे हैं। आप सब अपनी – अपनी सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी निभा रहे हैं। रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी कहा है - 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई'। इसका अर्थ है कि परोपकार से बढ़कर दूसरा धर्म नही है और किसी को दुख पहुंचाने से बढ़कर कोई दूसरा अधर्म नहीं है।

हर एक व्यक्ति का यह दायित्व है कि वह संसार को उतना तो अवश्य ही लौटा दे, जितना उसने इससे लिया है। हमारे महान चिंतक स्वामी विवेकानंद जी ने भी कहा था कि-

'जब तक करोड़ों लोग भूखे और अशिक्षित हैं, तब तक मैं हर उस व्यक्ति को गलत समझूँगा जो उसी समाज के संसाधनों से शिक्षित और समर्थ बन गया है, लेकिन अब अपने आसपास के लोगों पर ध्यान नहीं देता।'' हमारे इन महापुरुषों के दर्शन का प्रभाव आपके कार्यों, आपके व्यवहार में दिखता है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान रोटरी की पहुँच और विजन का भी विस्तार होता रहा है। साक्षरता और शांति से लेकर आप पानी, स्वास्थ्य, पर्यावरण, पोषण, मातृ-शिशु जीवन रक्षा जैसे कई मुद्दों पर काम कर रहे हैं। विश्व के विभिन्न विषयों पर स्थायी प्रभाव डालने की दिशा में रोटरी इंटरनेशनल और रोटरी फाउंडेशन के प्रयास उल्लेखनीय रहे हैं।

आपने देश से पोलियो को खत्म करने में अहम भूमिका निभाई है। पोलियो उन्मूलन के बाद अब आप 'समग्र साक्षरता' के लक्ष्य पर काम कर रहे हैं।

आपके द्वारा नियमित अंतराल पर नेत्र जाँच शिविर और हेल्थ चेक अप कैम्प लगाए जाते हैं। नेत्र रोगियों और कैंसर रोगियों की सहायता करने के लिए रोटरी क्लब निश्चित ही प्रशंसा का पात्र है। स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में रोटरी क्लब द्वारा शुरू की गयी सुनियोजित पहलों के लिए मैं आपकी सराहना करता हूँ।

कोटा – बूंदी में आपके सहयोग से “हर गाँव स्वस्थ – हर परिवार स्वस्थ”, “सुपोषित माँ अभियान”, “हॉस्पिटल्स ऑन व्हील्स” जैसे प्रकल्प चलाए जा रहे हैं।

मानव कल्याण की दिशा में आपके द्वारा किए जारहे अथक प्रयासों के लिए आप लोगों को बधाई देता हूँ। 'सेवा स्वयं से ऊपर' के ध्येय की अनुपालना करते हुए रोटरी सदस्यों ने मानवता की सेवा के लिए नए मानदंड स्थापित किए हैं।

हमारे संकल्प और अधिक मजबूत हो, हम मानव कल्याण और सर्वजन हिताय की दिशा में और अधिक काम करें।।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार फिर रोटरी डिस्ट्रिक्ट बूंदी को नए भवन के लोकार्पण पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ। आपके द्वारा किए जारहे निःस्वार्थ प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ। आपके भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।